

मेवाड़ में स्किल इंडिया पर सेमिनार आयोजित
पाठ्यक्रम के अलावा वोकेशनल कोर्स भी करें विद्यार्थी
- वक्ताओं ने विद्यार्थियों को दिये करियर बनाने के अनेक उपयोगी टिप्स

गाजियाबाद। वसुंधरा स्थित मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस और प्रगति पथ संस्था ने संयुक्त रूप से इंस्टीट्यूशंस के विवेकानंद सभागार में स्किल इंडिया विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया। सेमिनार में स्किल इंडिया विषय पर विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को हुनरमंद बनने के जरूरी टिप्स दिये और कहा कि वे पाठ्यक्रम के अलावा एक अतिरिक्त वोकेशनल कोर्स जरूर करें ताकि वह उनके करियर में मील का पत्थर साबित हो।

सेमिनार की अध्यक्षता करते हुए प्रो. हरी शंकर शर्मा ने विद्यार्थियों को स्किल इंडिया के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को खुद को पहचानने की कला सीखनी होगी। खूब मेहनत करनी होगी और सफलता पाने के मार्ग पर अडिग होकर चलना होगा। मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की निदेशिका डॉ. अलका अग्रवाल ने बतौर मुख्य अतिथि बताया कि भारत में मात्र 3.8 प्रतिशत लोग ही कुशल हैं। जबकि विदेशों में 98 प्रतिशत लोग कुशल हैं। दूसरे देशों की तरह हमें तरक्की करनी है तो हमारे नौजवानों को अधिक से अधिक कुशल बनना पड़ेगा। मानव संसाधनों का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करना सीखना होगा। खासतौर से महिलाओं को हुनरमंद बनना जरूरी है ताकि वह स्वावलम्बी बन सकें। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि मेवाड़ इंस्टीट्यूशंस विद्यार्थियों को शिक्षित करने के अलावा करियर के प्रति उन्हें कुशल बनाने के अभियान में भी जुटा हुआ है। विद्यार्थियों को ट्रेनिंग देने के अलावा उन्हें नौकरी दिलाने में भी मेवाड़ इंस्टीट्यूशंस अहम भूमिका निभा रहा है। प्रगति पथ संस्था के सक्रिय सदस्य कपिल त्यागी ने बच्चों को बताया कि स्किल इंडिया भारत सरकार की एक ऐसी योजना है, जिसके तहत किसी भी क्षेत्र में इच्छुक व्यक्ति अपने निकटवर्ती स्किल इंडिया सेंटर पर जाकर इन योजनाओं का मुफ्त में लाभ उठा सकते हैं। इस अवसर पर प्रो. डॉ. उत्तम कुमार, वीके गोयल, समृद्ध पाठक आदि ने कहा कि भारत एक शक्तिशाली देश है। यहां पर हर इंसान में विभिन्न प्रकार की कलाओं का समावेश है। लेकिन उन कलाओं को पहचान कर अपना रोजगार बनाना उससे भी बड़ी कला है। उस कला को निखारने के लिए हम लोगों के पास अनेक योजनाएं हैं। जिनका लाभ अवश्य उठाना चाहिए। इस अवसर पर संस्था की अध्यक्ष स्वाति ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में ममता सिंह, सतीश पांडे, मंजू शर्मा, रविंद्र आदि लोग भी मौजूद रहे। सेमिनार का संचालन मनोज सिन्हा ने किया।









